इंटरनेशनल कलेक्टिव इन सपोर्ट ऑफ फिशवर्कर्स (आइसीएसएफ) ट्रस्ट

एसएसएफ दिशानिर्देश पर
प्रशिक्षकों का राष्ट्रीय प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यशाला
(अंतर्देशीय मात्स्यिकी)
सेवा केन्द्र, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
22-24 दिसंबर 2022

सत्र शीर्षक और चर्चा के प्रश्न

सत्र 1

प्रस्तुति I

शीर्षक : अंतर्देशीय मात्स्यिकी में अधिकार, मालिकाना (पट्टा) और शासन प्रणाली

रिसोर्स पर्सन : डॉ वी वी सुगुनन

प्रश्न (सवाल)
(मुख्य रूप से मछुआरों को संबोधित)

1. आपकी राय (विचार) में, अंतर्देशीय मात्स्यिकी संसाधनों के प्रबंधन और शासन प्रणाली में सरकार, निजी क्षेत्र और सहकारी क्षेत्र की क्या भूमिका होनी चाहिए?
2. आप आजीविका की रक्षा और मछुआरों की आय (आमदनी) में सुधार के लिए सरकार से नीतिगत स्तर पर क्या हस्तक्षेप चाहते हैं?
3. अंतर्देशीय मछुआरों द्वारा सामना की जाने वाली तीन प्रमुख समस्याएं कौन-सी हैं?

(मुख्य रूप से सरकारी एजेंसियों को संबोधित)

4. जलाशयों के मछली पकड़ने के अधिकार के वितरण के संबंध में सरकार की नीति क्या होनी चाहिए?
5. क्या जलाशयों, बीलों (झील) और नदी के फैलाव की नीलामी व्यक्तियों को करना वांछनीय है? यदि हां या नहीं तो क्यों?

प्रस्तुति II

शीर्षक : अंतर्देशीय मात्स्यिकी संसाधनों तक पहुंच अधिकार : कानूनी और संस्थागत परिप्रेक्ष्य (दृष्टिकोण)।

रिसोर्स पर्सन : डॉ. गणेश चंद्र

प्रश्न

1. संसाधनों तक पहुंच में मछुआरों/मछुआरा समुदाय को वरीयता (प्राथमिकता)
2. विभिन्न राज्यों में लीजिंग (पट्टे पर देने की) नीति। नीति अभिसरण (एकरूपता) की तत्काल जरूरत है
3. भारत में सहकारी मात्स्यिकी शासन प्रणाली के लिए चुनौतियां। प्राथमिक मात्स्यिकी सहकारी समितियों में सुधार की आवश्यकता

प्रस्तुति III

शीर्षक : भारत के नदी के बाढ़ मैदान में मछली पकड़ने में शासन प्रणाली के प्रश्न : पहुंच, अधिकार, हकदारी और जिम्मेदारियां

रिसोर्स पर्सन : डॉ. नचिकेत केलकर

प्रश्न

1. नदियों में मछली पकड़ने से मछुआरों के तेजी से और लगातार बाहर निकलने के साथ, इन प्रणालियों के शासन और मालिकाना (पट्टे) का भविष्य क्या होगा?
2. नदी में पछली पकड़ने में, ऐसे संकेतक हैं कि यह प्रणाली कई क्षेत्रों में "आपराधिक राजनीतिक अर्थव्यवस्था" में बदल रही है। इस चुनौती का सामना करने के लिए मात्स्यिकी को नियंत्रित करने में राज्य संस्थानों और स्थानीय समुदायों की भूमिका कैसे पुनर्गठित की जानी चाहिए?
3. इन मात्स्यिकी में प्रमुख खुले-पहुंच वाले संघर्षों के समाधान के लिए, नदी में मछली पकड़ने के लिए सहकारी संस्थाओं के कामकाज को कैसे पुनर्जीवित किया जा सकता है?

प्रस्तुति IV

रिसोर्स पर्सन : डॉ. शांतनु चरावर्ती

शीर्षक : पश्चिम बंगाल सुंदरबन एवं इसके छोटे पैमाने के मछुआरा समुदाय - एक शीघ्र चर्चा

सत्र 2

रिसोर्स पर्सन : डॉ अनंथन पी.एस.

शीर्षक : अंतर्देशीय मात्स्यिकी के लिए पीएमएमएसवाई (प्रधानमंत्र मत्स्य सम्पदा योजना) और सार्वजनिक व्यय

प्रश्न

1. क्या आपने पीएमएमएसवाई या अन्य किसी योजना के तहत कोई सहायता/लाभ प्राप्त किया है? यदि हां, तो उसका विवरण दें और यदि नहीं, तो उसके कारण बताएं।
2. क्या आप (और वे मछुआरे/किसान/समुदाय जिनका आप प्रतिनिधित्व करते हैं) अपने राज्य में अंतर्देशीय मात्स्यिकी/ मत्स्य पालन (एक्वाकल्चर) के लिए उपलब्ध योजनाओं और लाभों के बारे में जानते हैं?
3. यदि आपको मत्स्य विभाग (राज्य/संघ या केन्द्र) से आवश्यक तीन महत्वपूर्ण प्रकार के सहायता की पहचान करने के लिए कहा जाए, तो वे क्या होंगे?

सत्र 3

रिसोर्स पर्सन : डॉ दिलीप कुमार

शीर्षक : अंतर्देशीय मात्स्यिकी और मछली पालन नीति तत्व जो प्रस्तावित राष्ट्रीय मात्स्यिकी नीति में शामिल किए जाने योग्य हैं